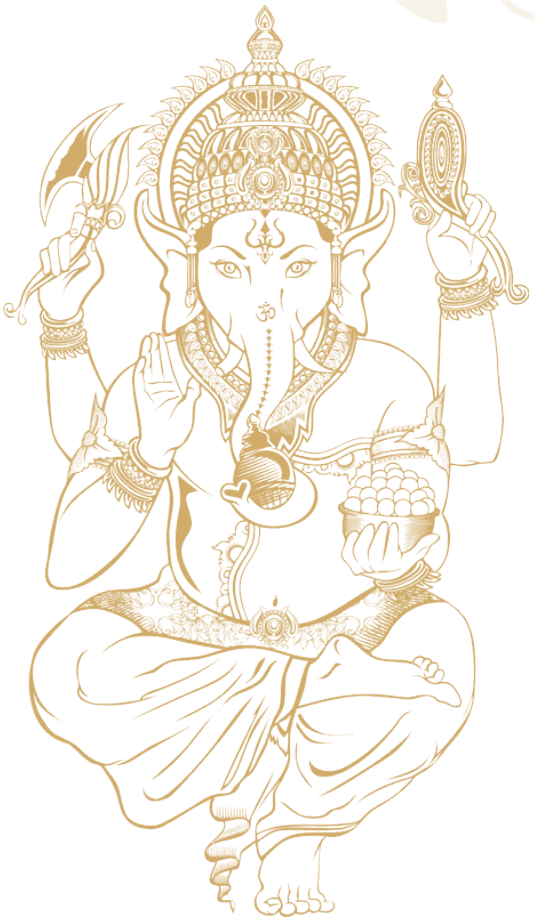

Mr.Girish gautam

12 May 1993

11:15 AM

Muzaffarnagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120854405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/05/1993**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:15:00 घंटे**
इष्ट	14:24:42 घटी
स्थान	**Muzaffarnagar**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:28:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:55:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:40 घंटे
साम्पातिक काल	02:15:50 घंटे
सूर्योदय	05:29:07 घंटे
सूर्यास्त	19:02:25 घंटे
दिनमान	13:33:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	27:44:45 मेष
लग्न के अंश	17:52:02 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुक्ल
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	17:52:02	305:45:25	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			मेष	27:44:45	00:57:56	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			मक	13:28:19	12:18:53	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल			कर्क	13:15:45	00:30:34	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध		अ	मेष	23:06:18	02:07:48	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		कन्या	11:34:43	00:03:32	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	16:25:00	00:35:39	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			कुंभ	05:52:36	00:02:47	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	18:35:06	00:00:42	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु			वृष	18:35:06	00:00:42	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष	व		धनु	28:19:10	00:00:46	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		धनु	27:17:04	00:00:36	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो	व		वृश्चि	00:26:52	00:01:40	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	12:30:56	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:07

लग्न-चलित

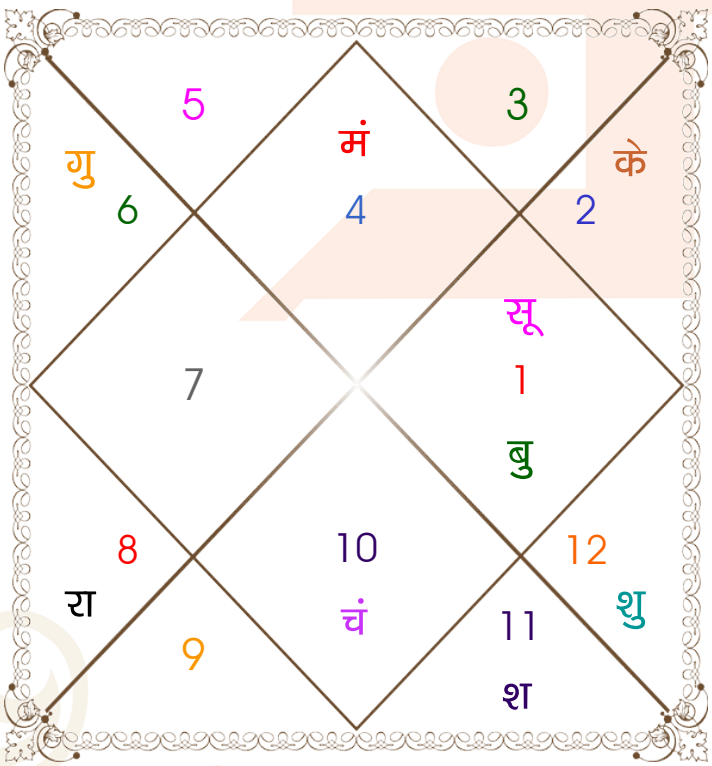

चन्द्र कुंडली

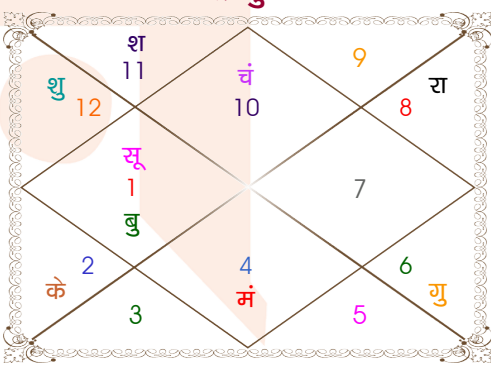

नवमांश कुंडली

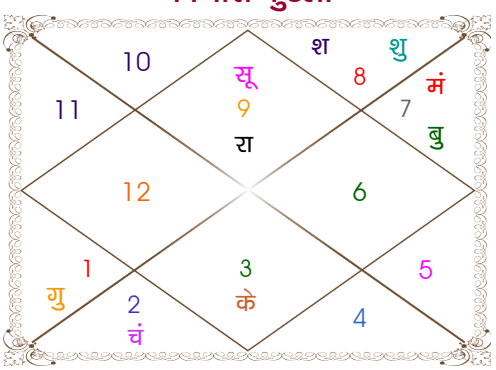

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 4 मास 22 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
12/05/1993		03/10/2000		04/10/2007		04/10/2025		04/10/2041	
03/10/2000		04/10/2007		04/10/2025		04/10/2041		03/10/2060	
	00/00/0000	मंगल	02/03/2001	राहु	16/06/2010	गुरु	22/11/2027	शनि	06/10/2044
	12/05/1993	राहु	20/03/2002	गुरु	09/11/2012	शनि	04/06/2030	बुध	17/06/2047
राहु	03/09/1993	गुरु	24/02/2003	शनि	16/09/2015	बुध	09/09/2032	केतु	25/07/2048
गुरु	03/01/1995	शनि	04/04/2004	बुध	04/04/2018	केतु	16/08/2033	शुक्र	25/09/2051
शनि	03/08/1996	बुध	01/04/2005	केतु	23/04/2019	शुक्र	16/04/2036	सूर्य	06/09/2052
बुध	03/01/1998	केतु	28/08/2005	शुक्र	23/04/2022	सूर्य	02/02/2037	चंद्र	07/04/2054
केतु	04/08/1998	शुक्र	28/10/2006	सूर्य	17/03/2023	चंद्र	04/06/2038	मंगल	17/05/2055
शुक्र	04/04/2000	सूर्य	05/03/2007	चंद्र	15/09/2024	मंगल	11/05/2039	राहु	23/03/2058
सूर्य	03/10/2000	चंद्र	04/10/2007	मंगल	04/10/2025	राहु	04/10/2041	गुरु	03/10/2060

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/10/2060		04/10/2077		03/10/2084		04/10/2104		05/10/2110	
04/10/2077		03/10/2084		04/10/2104		05/10/2110		00/00/0000	
बुध	02/03/2063	केतु	02/03/2078	शुक्र	03/02/2088	सूर्य	22/01/2105	चंद्र	05/08/2111
केतु	27/02/2064	शुक्र	02/05/2079	सूर्य	02/02/2089	चंद्र	24/07/2105	मंगल	05/03/2112
शुक्र	28/12/2066	सूर्य	07/09/2079	चंद्र	04/10/2090	मंगल	28/11/2105	राहु	13/05/2113
सूर्य	04/11/2067	चंद्र	07/04/2080	मंगल	04/12/2091	राहु	23/10/2106		00/00/0000
चंद्र	04/04/2069	मंगल	03/09/2080	राहु	04/12/2094	गुरु	11/08/2107		00/00/0000
मंगल	01/04/2070	राहु	21/09/2081	गुरु	04/08/2097	शनि	23/07/2108		00/00/0000
राहु	19/10/2072	गुरु	28/08/2082	शनि	04/10/2100	बुध	30/05/2109		00/00/0000
गुरु	24/01/2075	शनि	07/10/2083	बुध	05/08/2103	केतु	05/10/2109		00/00/0000
शनि	04/10/2077	बुध	03/10/2084	केतु	04/10/2104	शुक्र	05/10/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 5 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।